हिन्दी विभाग

परिचय

हिन्दी विभाग की स्थापना महाविद्यालय के स्थापना के साथही सन २००१ में हुई। हिन्दी विभाग यह आर्ट (कला) विभाग का महत्त्वपूर्ण अंग है। तभी से आर्ट (कला) विभाग में हिन्दी विषयी ऐच्छिक तथा द्वितीय भाषा के रुप में पढाया जाता है। हिन्दी विभाग के अंतर्गत जो साहित्य पढाया जाता है यदि भारत की भाषाओं का इतिहास उठाकर देखें तो पता चलता है कि हिंदी किसी न किसी रुप में अपनी सदोहर भाषाओं को अपना सहयोग प्रदान करती रही है। भाषा मानवीय जीवन का महत्त्वपूर्ण अंग है इसलितए भाषा के स्वरुप प्रयुक्ति क्षेत्र और उसकी उपयोगिता का अध्ययन करना आवश्यक है। हिंदी भाषा आज केवल विचारों का आदान प्रदान का साधन न होकर वह नये नये रोजगारों के अवसर निर्माण कर रही है। वैश्विकरण के बदलते परिवेश में हिन्दी की उपयोगिता दिन दिन बढ रही है।

उसका अध्ययन भविष्यकालीन निर्माण में अत्यंत आवश्यक होता है। इसमें साहित्य की परिस्थितीयाँ और प्रवृत्तिया हमारे जीवन को बनाने में सहयोग देती है। तत्कालीन जीवनमूल्य, जीवन दर्शन, समस्याएँ, संस्कृति का वर्तमान से यह संबंध समर्पित होकर नये जीवन और कलाओं का निर्माण होत है। इन कलाओ के साथ माध्यमसे ही मनुष्य अपने जीवन को आनंदमय बना सकता है। आधुनिक तकनिक युग में साहित्य की शास्त्रियता मनुष्य जीवन का एकमात्र आधार सिद्ध होती है। अत: साहित्य का शास्त्रिय दृष्टिकोन से अध्ययन होना आवश्यक है।

उद्देश्य एवं महत्त्व

१) हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न करना।
२) भाषा के स्वरुप को समझना।
३) हिंदी भाषा के प्रयुक्ति क्षेत्रों का परिचय कराना।
४) भाषाई वैविध्य वाले देश में हिंदी के महत्त्व को समझना।
५) प्राद्योगिकी के युग में हिंदी भाषा की उपयोगिकता को समझना।
६) हिंदी की संवैधानिक स्थिति से छात्रों को अवगत कराना।
७) हिंदी भाषा में जो साहित्य पढाया जाता है उसका परिचय कराना।
८) हिंदी साहित्य के सृजन की पृष्ठभूमि को समझना।
९) साहित्य के माध्यम से जीवनमूल्यों एवं जीवन दर्शन को समझना।
१०) भाषाई शिल्प के परिवर्तनों को समझना।
११) हिंदी साहित्य का शास्त्रीय पद्धती से अध्ययन करना।
१२) हिंदी साहित्य के महत्त्व को प्रतिपादित करना।

१३) शब्द और अर्थों के संबंधों को समझना।

१४) आलोचना की मानवीय सहज प्रवृत्ति का साहित्यिक विश्लेषण करना।

हिन्दी विभाग का कार्य

१) हिन्दी विभाग ने सन २००१ से ही हिन्दी दिवस का आयोजन किया है।

२) सन २०१३-१४ में तालुका स्तर पर हिंदी के महत्त्व को दर्शाने हेतू हिंदी की वैश्विक स्थिती पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

३) हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में निबंध प्रतियोगिता में तालुका स्तर पर प्रथम आने हेतू छात्रा को पुरस्कार प्रदान किया गया।

४) हिंदी में तथा कॉलेज में प्रथम आने पर छात्राओं को पुरस्कार प्रदान करना।

५) हिन्दी अभ्यास मंडल की स्थापना करना।